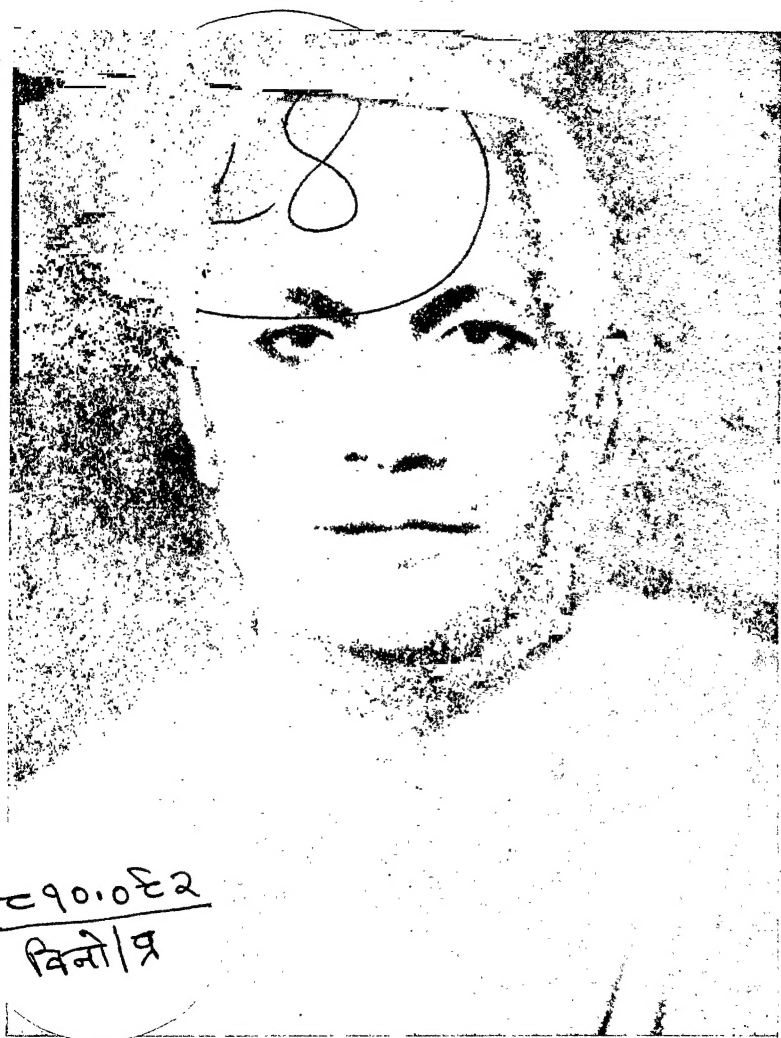


‘प्रसाद’ और उनके समकालीन



८१०.०८२
विनो/प्र

विनोद शङ्कर व्यास